Raja Mahendra Pratap Singh State University, Aligarh (U.P.)

Updated Course Curriculum as per NEP

BA Semester I to Semester VI
BA Honours With research (Semester VII & VIII)
BA Honours (Semester VII & VIII)

Music- VOCAL

Members of Board of Studies as approved by the University

(Letter: RMPSU/1149/2025 dt. 05-06.2025)

S. No.	Name	Role in BoS	Designation	Name of College/University	Signature
1	Prof. Smriti Kaushik	Convener	Professor	Sri Tikaram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh	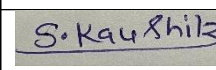
2	Prof. Seema Agarwal	Internal (University) Member	Professor	Sri Tikaram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh	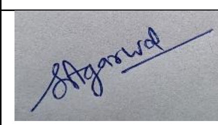
3	Prof. Neelu Sharma	External Member	Professor	Dayalbagh Educational Institute, Agra	***Approval letter attached***
4	Prof. Neetu Gupta	External Member	Professor	Dayalbagh Educational Institute, Agra	***Approval letter attached***

दिनांकः– 26.06.2025

सेवा में
संगीत विभागाध्यक्षा
टीकाराम गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज,
राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
अलीगढ़

विषय :– संगीत पाठ्यक्रम की संस्तुति प्रदान हेतु

महोदया,

मैनें आपके द्वारा भेजा हुआ संगीत विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का अवलोकन अध्ययन बोर्ड – सदस्य रुप में कर लिया है, जो कि ठीक है अतः इस पाठ्यक्रम हेतु अपनी संस्तुति प्रदान करती हूँ।

Sharma
26/06/2025

प्रो0 नीलू शर्मा
संगीत विभाग
डी0 ई0 आई0

दिनांकः– 26.06.2025

सेवा में
संगीत विभागाध्यक्षा
टीकाराम गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज,
राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
अलीगढ़

विषय :– संगीत पाठ्यक्रम की संस्तुति प्रदान हेतु

महोदया,

मैनें आपके द्वारा भेजा हुआ संगीत विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का अवलोकन अध्ययन बोर्ड – सदस्य रुप में कर लिया है, जो कि ठीक है अतः इस पाठ्यक्रम हेतु अपनी संस्तुति प्रदान करती हूँ।

Neetu Gupta

डा0 नीतू गुप्ता
संगीत विभाग
डी0 ई0 आई0

Scanned by True Scanner

Semester-wise titles of paper in BA (Music- Vocal)

Year	Semester	Course Code	Course Title	Theory/ Practical/ Project	Credits	Total Credits
1	I	A320101T	Introduction to Indian Music	Theory	02	06
		A320102P	Detailed study of Ragas and Talas	Practical	04	
	II	A320201T	History of Hindustani Music	Theory	02	06
		A320202P	Detailed study of Ragas and Talas	Practical	04	
2	III	A320301T	Contribution of Musicians from Ancient, Medieval, and Modern Periods in Hindustani Music	Theory	02	06
		A320302P	Detailed study of Ragas and Talas	Practical	04	
	IV	A320401T	Notation System, Scales, Time Signature	Theory	02	09
		A320402P	Detailed study of Ragas and Talas	Practical	04	
		A320403R	Project	Project	03	
3	V	A320501T	Western Music and Hindustani Music Systems	Theory	04	10
		A320502P	Detailed study of Ragas and Talas	Practical	04	
		A320503P	Stage Performance	Practical	02	
	VI	A320601T	Gharanas, Rabindra Sangeet, Carnatic Music	Theory	04	10
		A320602P	Detailed study of Ragas and Talas	Practical	04	
		A320603P	Stage Performance	Practical	02	
4	VII	RA320701T	History of Indian Music	Theory	04	20/16
		Choose both below for U.G. (Honour's) and One for U.G. (Honour's with Research)				
		RA320702T (Choice 1)	*Applied theory of music*	*Theory*	*04*	
		RA320703T (Choice 2)	*Science of music*	*Theory*	*04*	
		RA320704P	Gaayan Kriyatmak	Practical	04	
		RA320705P	Stage Performance	Practical	04	
	VIII	RA320801T	Research Methodology	Theory	04	20/24
		Choose both below for U.G. (Honour's) and One for U.G. (Honour's with Research)				
		RA320802T (Choice 1)	*Aesthetics*	*Theory*	*04*	
		RA320803T (Choice 2)	*Western Music*	*Theory*	*04*	
		RA320804P	Gaayan Kriyatmak	Practical	04	
		RA320805P	Stage Performance	Practical	04	
		RA320806R	Research Project (Submission and Evaluation) For the student of U.G. (Honour's with Research) only		08	

संगीत गायन (बी ए Ist सेमेस्टर)
कोर्स कोड - A320101T
क्रेडिट - 2 (लिखित)
शीर्षक -- हिंदुस्तानी संगीत का परिचय
(Introduction to Indian Music)

यूनिट 1-- संगीत की परिभाषा, ध्वनि की उत्पत्ति, आंदोलन व उसके प्रकार, नाद की विशेषताएं, श्रुति, स्वर व उसके प्रकार, चिन्ह, कंपन व आवर्तन, सहायक नाद, भातखंडे जी के 10 थाठ, सप्तक, पूर्वांग - उत्तरांग, वर्ण, अलंकार, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, गमक, मीड़, तानपुरे के अंगों का अध्ययन
यूनिट 2 -- राग, ग्राम, मूर्च्छना, स्वर व श्रुति की परिभाषा, स्वर व श्रुति का परस्पर संबंध
यूनिट 3 -- राग यमन, मालकोश, भैरव और बिलावल का परिचय, बंदिशों को स्वरलिपि, विभिन्न स्वर समूहों द्वारा राग की पहचान करना
यूनिट 4 -- तीन ताल, एक ताल, कहरवा तालों की दुगुन सहित उनका तुलनात्मक अध्ययन

संगीत गायन (बी ए Ist सेमेस्टर)
कोर्स कोड A320102P
क्रेडिट – 4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक - रागों व तालों का विस्तृत अध्ययन
(Detailed study of Ragas and Talas)

राग यमन, राग मालकोश, राग भैरव, राग बिलावल
ताल -- तीन ताल, एक ताल, कहरवा ताल
कोई भी 20 अलंकार
ध्रुपद तथा उसकी दुगुन
लक्षण गीत / सरगम गीत /भजन /गीत

संगीत गायन (बीए IInd सेमेस्टर)
कोर्स कोड -- A320201T
क्रेडिट – 2 (लिखित)
शीर्षक -- हिंदुस्तानी संगीत का इतिहास
(History of Hindustani Music)

यूनिट 1 -- प्राचीन संगीत का अध्ययन - वैदिक, रामायण, महाभारत
यूनिट 2 -- हिंदुस्तानी संगीत में मध्यकालीन व आधुनिक काल के इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन
यूनिट 3 -- राग शुद्ध कल्याण, छायानट, कामोद और देशकार रागों का परिचय, बंदिशों की स्वरलिपि
यूनिट 4-- चार ताल, धमार ताल और दादरा ताल की दुगुन और चौगुन लयकारी

संगीत गायन (बीए IInd सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320202P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- रागों व तालों विस्तृत अध्ययन
(Detailed study of Ragas and Talas)

राग शुद्ध कल्याण, राग छायानट, राग कामोद, राग देशकार
चारताल, धमार ताल, दादरा का ठेका तथा दुगुन
लक्षण गीत /सरगम गीत /गजल/भजन/तराना

संगीत गायन (बीए 3rd सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320301T
क्रेडिट- 2 (लिखित)
शीर्षक -- हिंदुस्तानी संगीत में प्राचीन, मध्यकाल और आधुनिक काल के संगीतज्ञों का योगदान
(Contribution of Musicians from Ancient, Medieval, and Modern Periods in Hindustani Music)

यूनिट 1 -- प्राचीन और मध्यकाल के संगीतज्ञों का हिंदुस्तानी संगीत में योगदान का संक्षिप्त अध्ययन भरत, नारद, शारंगदेव, अहोबल, लोचन, श्रीनिवास, व्यंकटमखी
यूनिट 2 -- आधुनिक काल के संगीतज्ञों जैसे भातखंडे जी, विष्णु दिगंबर पलुस्कर, प्रो प्रेमलता शर्मा, प्रो लाल मणि मिश्रा, पं ओंकार नाथ ठाकुर, पं राजा भैया पूंछ वाले तथा पं रामाश्रय झा का संगीत में योगदान
यूनिट 3 -- राग बागेश्वरी, मियां मल्हार, पूरिया, सोहनी का परिचय, बंदिशों की स्वरलिपि, रागों की तुलना, विभिन्न स्वर समूहों से राग को पहचानना
यूनिट 4 -- झपताल और तीवरा ताल की दुगुन और चौगुन के साथ लयकारी

संगीत गायन (बीए IIIrd सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320302P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- रागों व तालों विस्तृत अध्ययन
(Detailed study of Ragas and Talas)

राग बागेश्वरी, राग मियां मल्हार, राग पूरिया, राग सोहनी,
झपताल और तीव्रताल की दुगुन तथा चौगुन
तराना /दादरा /कजरी /भजन / ग़ज़ल

संगीत गायन (बीए IVth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320401T
क्रेडिट- 2 (लिखित)
शीर्षक -- स्वरलिपि पद्धति, स्केल्स, टाइम सिग्नेचर
(Notation System, Scales, Time Signature)

यूनिट 1 -- भातखंडे तथा विष्णु दिगंबर स्वरलिपि पद्धति का संक्षिप्त अध्ययन
यूनिट 2 -- पाश्चात्य स्वरलिपि का संक्षिप्त अध्ययन और हार्मनी, मेलोडी
यूनिट 3 -- राग तोड़ी, मुल्तानी, बसंत, परज का परिचय, बंदिशों की स्वरलिपि, रागों की तुलना तथा स्वर समूह द्वारा पहचानना
यूनिट 4-- रूपक तथा धमार ताल की दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी

संगीत गायन (बीए IVth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320402P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- रागों व तालों विस्तृत अध्ययन
(Detailed study of Ragas and Talas)

राग तोड़ी, राग मुल्तानी, राग बसंत, राग परज
रूपक व धमार लाल का ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन
ध्रुपद की दुगुन, तिगुन तथा चौगुन
भजन /गजल /कजरी /लक्षण गीत /तराना

संगीत गायन (बीए IVth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320403R
क्रेडिट-3 (प्रोजेक्ट)
शीर्षक -- प्रोजेक्ट
(Project)

हिंदुस्तानी संगीत के किसी संगीतज्ञ से संबंधित लेख
1-- किन्ही दो क्षेत्रीय संगीत उत्सव अथवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रोजेक्ट रिपोर्ट
2-- किन्ही दो हिंदुस्तानी संगीतकारों (शास्त्रीय,भाव, लोक संगीत) के अंतर्गत प्रोजेक्ट रिपोर्ट

संगीत गायन (बीए Vth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320501T
क्रेडिट- 4 (लिखित)
शीर्षक -- पाश्चात्य संगीत व हिंदुस्तानी संगीत पद्धति
(Western Music and Hindustani Music Systems)

यूनिट 1 -- कोंन्सोनेंस तथा डिसोनेंस, रेस्ट, प्रतिध्वनि प्रतिश्रुति, माइक्रोटोन तथा ओवरटोन
यूनिट 2 -- पाश्चात्य सांगीतिक स्केल तथा कौर्ड्स
यूनिट 3 -- शास्त्रीय गायन शैलियों जैसे ख्याल, ध्रुपद, धमार, तराना, चतुरंग, त्रिवट का संक्षिप्त अध्ययन
यूनिट 4 -- उप शास्त्रीय संगीत की गायन शैलियों जैसे ठुमरी, टप्पा, दादरा, अष्टपदी, होरी, आल्हा, बिरहा, पांडवानी, रामलीला, रासलीला तथा नौटंकी का संक्षिप्त अध्ययन
यूनिट 5 -- निबंध 1/ विज्ञान का संगीत में योगदान
2/ संगीत और रोजगार
यूनिट 6 -- राग रामकली, देसी, जोगिया तथा विभास रागों का परिचय, बंदिशें की स्वरलिपि, स्वर समूहों द्वारा पहचानना
यूनिट 7 -- पंचम सवारी, आड़ा चारताल की दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारी

संगीत गायन (बीए Vth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320502P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- रागों व तालों विस्तृत अध्ययन
(Detailed study of Ragas and Talas)

राग रामकली, राग देसी, राग जोगिया, राग विभास
पंचम सवारी तथा आडा चार ताल ठेका, दुगुन, तिगुन चौगुन
होरी /दादरा /त्रिवट/ चतुरंग /कजरी /चैती
ध्रुपद की दुगुन, तिगुन और चौगुन

संगीत गायन (बीए Vth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320503P
क्रेडिट-2 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

राग व ताल किसी भी राग का प्रस्तुतीकरण
उपशास्त्रीय संगीत / भाव संगीत
राग की तुलना, तालों की लयकारी

संगीत गायन (बीए VIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320601T
क्रेडिट- 4 (लिखित)
शीर्षक -- घराने, रविंद्र संगीत, कर्नाटक संगीत
(Gharanas, Rabindra Sangeet, Carnatic Music)

यूनिट 1 -- घरानों की परिभाषा, ग्वालियर, आगरा, किराना, पटियाला, जयपुर, इंदौर घरानों का संक्षिप्त अध्ययन, ध्रुपद व धमार के घराने व बानियों का संक्षिप्त अध्ययन
यूनिट 2-- कर्नाटक संगीत का अध्ययन तथा हिंदुस्तानी और कर्नाटक स्वरों में परस्पर अंतर, रविंद्र संगीत जैसे गीतिनाट्य, नृत्य नाट्य और बसंतोत्सव का संक्षिप्त अध्ययन
यूनिट 3-- राग वर्गीकरण का संक्षिप्त अध्ययन, थाट राग वर्गीकरण तथा रागांग वर्गीकरण का महत्व
यूनिट 4 -- संगीतज्ञों की जीवनी तथा संगीत में योगदान पं भीमसेन जोशी, पं जसराज, अब्दुल करीम खान, उ राशिद खान, पं सियाराम तिवारी, पं रामचतुर मलिक, पं अजय चक्रवर्ती, विदुषी शुभा मुद्गल, पं राजन साजन मिश्रा, विदुषी किशोरी अमोनकर, विदुषी गिरिजा देवी, पं प्रेम कुमार मलिक, पं रित्विक सान्याल
यूनिट 5-- निबंध 1/ ताल का संगीत में महत्व
2/ हिंदुस्तानी संगीत का मानव जीवन में महत्व
यूनिट 6 -- राग पूरिया धनाश्री, जौनपुरी, पूर्वी तथा हिंडोल का परिचय, बंदिशों की स्वरलिपि तथा स्वर समूहों द्वारा पहचानना
यूनिट 7-- पंजाबी तथा तिलवाड़ा ताल की दुगुन, तिगुन और चौगुन लयकारी

संगीत गायन (बीए VIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320602P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- रागों व तालों विस्तृत अध्ययन
(Detailed study of Ragas and Talas)

शीर्षक -- रागों व तालों का विस्तृत अध्ययन
राग पूरिया धनाश्री, राग जौनपुरी, राग पूर्वी, राग हिंडोल
ताल -- पंजाबी व तिलवाड़ा ताल दुगुन, तिगुन, चौगुन
होरी /दादर /त्रिवट / चतुरंग /कजरी
धमार की दुगुन, तिगुन, चौगुन

संगीत गायन (बीए VIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- A320603P
क्रेडिट- 2 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

राग व ताल
किसी राग की प्रस्तुति
उपशास्त्रीय संगीत /भाव संगीत
अन्य रागों का परिचय, तालों की लयकारी

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320701T
क्रेडिट-04 (लिखित)
शीर्षक -- भारतीय संगीत का इतिहास
(History of Indian Music)

यूनिट 1 -- हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति और ऐतिहासिक विकास
वैदिक संगीत, जैन, बौद्ध, मौर्य और गुप्त काल में संगीत, मुस्लिम और ब्रिटिश काल में संगीत
यूनिट 2 भारतीय संगीत के विभिन्न रूप - शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, भाव संगीत और लोक संगीत
यूनिट 3 संगीत के दार्शनिकों का योगदान - पंडित विष्णु नारायण भातखंडे, पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर, मतंग मुनि, शारंगदेव, विलायत खान, अलाउद्दीन खान
यूनिट 4 कुछ नवीन संगीत रूपों का विश्लेष्णात्मक अध्ययन - विभिन्न घराने, कर्नाटक संगीत व रविंद्र संगीत
यूनिट 5 - भारतीय संगीत में समकालीन विकास - भारतीय संगीत की वर्तमान स्थिति, भारतीय संगीत का वैश्वीकरण, आधुनिक योगदानकर्ता (गायन एवं वाद्य संगीत)

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320702T
क्रेडिट-4 (लिखित)
शीर्षक -- संगीत का प्रायोगिक सिद्धांत
(Applied theory of Music)

यूनिट 1 श्रुति - स्वर वर्गीकरण की उत्पत्ति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विकास, भरत एवं शारंगदेव द्वारा वर्णित साधना चतुष्टयी का अध्ययन और उसका उद्देश्य
यूनिट 2 -- श्रीनिवास एवं मंजरीकर द्वारा वीणा के तार पर द्वादश स्वरों की स्थापना
यूनिट 3 -- व्यंकटमखी एवं भातखंडे द्वारा वर्णित थाट का वर्गीकरण
यूनिट 4 -- भातखंडे एवं विष्णु दिगंबर द्वारा विकसित नोटेशन प्रणाली की उत्पत्ति
यूनिट 5 -- ग्राम, मूर्चना, जाति, मींड, घसीट, कृन्तन

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320703T
क्रेडिट-4 (लिखित)
शीर्षक -- संगीत का प्रायोगिक सिद्धांत
(Science of Music)

यूनिट 1 -- नाद, कंपन और आवृत्ति, नाद के गुण - स्वर (pitch), तीव्रता (इंटेंसिटी) और कंठस्थता (टिंबर)
यूनिट 2 -- श्रवण एवं सुनने के सिद्धांत, भारतीय संगीत में स्वर लेखन पद्धति का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
यूनिट 3 -- संगीत स्वरों का अध्ययन, सहानुभूतिपूर्ण अनुनाद (सिंपैथेटिक रेजोनेंस), सहस्वरर्ता (कंजोनेंस) और असहस्वरता (डिसोनेंस), रागात्मकता (मेलोडी), हार्मनी और हार्मनी के प्रकार
यूनिट 4 -- ध्वनि, ध्वनि की गति, विभिन्न माध्यमों में ध्वनि का संचार
यूनिट 5 -- माइक्रोफोन, लाउडस्पीकर और रिकॉर्डिंग की कार्य प्रणाली

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320704P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- गायन क्रियात्मक
(Gaayan Kriyatmak)

यूनिट 1 -- राग अंगों का अध्ययन -- भैरव अंग, कौंस अंग
यूनिट 2 -- निम्नलिखित तालों के ठेके और लयकारी रूपक, तीव्रा और दीपचंदी
यूनिट 3 - रागों का विस्तार पूर्वक अध्ययन - अहीर भैरव, बैरागी भैरव, जोग, चंद्रकोंस
यूनिट 4 - सामान्य अध्ययन - मारू विहाग, कलावती, गुणकरी, हंसध्वनि
यूनिट 5- कोई भी दो बंदिश, भजन अथवा गीत को स्वरलिपि बद्ध करना होगा इसका प्रयोगात्मक डेमोंसट्रेशन देना अनिवार्य होगा।

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320705P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

विद्यार्थियों को दिए गए रागों की सूची में से किसी एक चयनित राग की तैयारी करनी होगी, जिसमें विलंबित ख्याल, द्रुत ख्याल, आलाप तानों सहित तैयार करना अनिवार्य है। न्यूनतम 15 मिनट में मंच पर प्रस्तुति देनी होगी।

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320801T
क्रेडिट-4 (लिखित)
शीर्षक -- अनुसंधान विधि
(Research Methodology)

Unit 1: शोध का परिचय
शोध का अर्थ और उद्देश्य, संगीत और कला में शोध का महत्व, शोध के प्रकार: अन्वेषणात्मक (Exploratory), वर्णनात्मक (Descriptive), ऐतिहासिक (Historical)
Unit 2: शोध समस्या और रूपरेखा
संगीत में शोध विषय का चयन और परिभाषा, सरल शोध प्रश्न और उद्देश्य बनाना, बुनियादी शोध रूपरेखा: क्या अध्ययन करना है और कैसे करना है
Unit 3: डेटा संग्रह विधियाँ
सूचना के स्रोत: पुस्तकें, लेख, साक्षात्कार, रिकॉर्डिंग; अवलोकन और चर्चाओं के माध्यम से डेटा एकत्रित करना, नोट-लेखन और दस्तावेजीकरण के मूल सिद्धांत
Unit 4: डेटा का संगठन और विश्लेषण
एकत्रित जानकारी का तार्किक संगठन, सरल विश्लेषण: तुलना करना, वर्णन करना, निष्कर्षों का सारांश, संगीत शोध में पैटर्न या विषयों को समझना
Unit 5: शोध लेखन और प्रस्तुति
शोध पत्र या परियोजना रिपोर्ट की बुनियादी संरचना, परिचय, मुख्य सामग्री और निष्कर्ष लिखना, स्रोतों का सरलता से हवाला देना और साहित्यिक चोरी से बचना, मौखिक या पोस्टर के माध्यम से शोध प्रस्तुति

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320802T
क्रेडिट-4 (लिखित)
शीर्षक -- सौंदर्यशास्त्र
(Aesthetics)

Unit 1: रस, रस की परिभाषा, भरत और अभिनवगुप्त द्वारा रस के प्रकार
Unit 2: नायक-नायिका भेद संगीत में, ध्यान और संगीत का संबंध, रागों का ऋतु और समय के साथ संबंध
Unit 3: राग और ताल का भावनाओं से संबंध, काकु
Unit 4: विभिन्न कलाओं (मूर्ति, वास्तुकला, चित्रकला, साहित्य, मंचीय कला और संगीत) के बीच संबंध, अन्य कलाओं में संगीत की भूमिका
Unit 5: समाज पर शास्त्रीय संगीत का प्रभाव, भावनात्मक विकास में संगीत की भूमिका, संगीत चिकित्सा और उपचार के रूप में

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320803T
क्रेडिट-4 (लिखित)
शीर्षक -- पश्चिमी संगीत
(Western Music)

Unit 1: संगीत के प्रकार: पश्चिमी शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रमुख वोकल (गायन) और इंस्ट्रुमेंटल (वाद्य) रूपों का अध्ययन — सोनेट (Sonata), सिम्फनी (Symphony), एट्यूड (Etude), प्रील्यूड (Prelude), ओपेरा (Opera), बैले (Ballet), कॉनचेर्टो (Concerto), कैनन (Canon), फ्यूग (Fugue), सूइट (Suite)।
Unit 2: वाद्ययंत्रों का वर्गीकरण और विवरण: गिटार (Guitar), वायलिन (Violin) और केटल-ड्रम (Kettle-drum) का वर्गीकरण और उनका संक्षिप्त विवरण।
Unit 3: इंटरवल्स (संगीतिक अंतराल): डायाटोनिक सेमीटोन, क्रोमैटिक सेमीटोन, परफेक्ट इंटरवल्स, मेजर इंटरवल्स, माइनर इंटरवल्स, ऑगमेंटेड इंटरवल्स और डिमिनिश्ड इंटरवल्स का अध्ययन।
Unit 4: स्केल (स्वर-पैमाना): स्वर-पैमाने की परिभाषा, माइनर स्केल, फिफ्थ की परिभाषा, क्रोमैटिक स्केल, इक्वली टेम्पर्ड स्केल और अन्य स्केल्स।

Unit 5: कॉर्ड्स (राग-समूह)
परिभाषा और महत्त्व, त्रिक राग (Triads) के प्रकार, टेक्सचर (संगीतिक बनावट) और रजिस्टर (स्वर की ऊँचाई)।
प्रमुख योगदानकर्ता: बीथोवन (Beethoven), मोजार्ट (Mozart), बाख (Bach), शुबर्ट (Schubert)।

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320804P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- गायन क्रियात्मक
(Gaayan Kriyatmak)

Unit 1: राग-अंगों का अध्ययन- मल्हार अंग, कल्याण अंग का अध्ययन।
Unit 2: तालों का अध्ययन- निम्नलिखित तालों के ठेका और लयकारी का अभ्यास:
धमार, चारताल और अड़ा चारताल
Unit 3: रागों का विस्तृत अध्ययन- श्याम कल्याण, पुरिया कल्याण, बसंत मुखारी, भटियार
Unit 4:: सामान्य (संक्षिप्त) अध्ययन- भूपाली, वृंदावनी सारंग, आसावारी, कोमल ऋषभ आसावरी
Unit 5: भजन अथवा गीत स्वरलिपिबद्ध करना
छात्राओं को किन्हीं दो बंदिश, भजन अथवा गीत को संगीतात्मक नोटेशन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। प्रायोगिक प्रदर्शन-सह-मौखिक परीक्षा (वायवा-वोसे) आयोजित की जाएगी। इस सेमेस्टर में निर्धारित रागों, तालों और सिद्धांतों का ज्ञान आवश्यक होगा।

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320805P
क्रेडिट-4 (प्रयोगात्मक)
शीर्षक -- मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

विद्यार्थियों को दिए गए रागों की सूची में से किसी एक चयनित राग की तैयारी करनी होगी। इसके अंतर्गत विलंबित ख्याल, द्रुत ख्याल आलाप तानों सहित 15 मिनट में राग की प्रस्तुति अनिवार्य होगी।

संगीत गायन (बीए ऑनर्स VIIIth सेमेस्टर)
कोर्स कोड- RA320806R
क्रेडिट- 8 (प्रोजेक्ट)
शीर्षक -- प्रोजेक्ट
(Project)

छात्र विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्ट विषयों का चयन कर सकते हैं, जो गायन की गहराई, उसकी समृद्ध विरासत तथा व्यावहारिक तकनीकों की समझ को विस्तार देने में सहायक होते हैं। ये प्रोजेक्ट सिद्धांतात्मक, विश्लेषणात्मक या प्रस्तुति-आधारित हो सकते हैं, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत से समग्र रूप से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कुछ सामान्य विषय इस प्रकार हैं (किन्तु इन्हीं तक सीमित नहीं):

• **हिंदुस्तानी गायन शैली का इतिहास एवं विकास** – शास्त्रीय गायन की उत्पत्ति, विकास एवं विभिन्न कालों में इसकी शैलीगत यात्रा का अध्ययन।

• **किसी एक घराने का विस्तृत अध्ययन** – किसी विशेष गायन घराने (जैसे कि ग्वालियर, किराना, आगरा आदि) की विशिष्ट शैली, बंदिशों की परंपरा एवं प्रमुख गायक कलाकारों का विश्लेषण।

• **रागों का तुलनात्मक अध्ययन** – दो या अधिक रागों की भाव, समयानुकूलता तथा गायन में उनकी प्रस्तुति के भिन्न पक्षों की तुलना।

• **गायन की तकनीकें एवं अलंकरण** – आलाप, तान, मींड, गमक, बोलबांत, सरगम आदि गायन तकनीकों का विश्लेषण।

• **हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में गायन की भूमिका** – एकल, जुगलबंदी एवं वाद्य संगत में गायन की प्रस्तुति की भूमिका को समझना।

• **किसी प्रसिद्ध गायक की जीवनी एवं योगदान** – जैसे पं. भीमसेन जोशी, उ. अब्दुल करीम ख़ाँ, गंगूबाई हंगल, किशोरी आमोनकर आदि की जीवन यात्रा, गायकी की शैली और उनके सांगीतिक योगदान का अध्ययन।

• **गायन में ताल एवं लयकारी का अध्ययन** – तालों के साथ गायन की प्रस्तुति, लय की रचनात्मकता एवं 'बोल आलाप', 'बोल तान' आदि की विवेचना।

• **फ्यूज़न एवं समकालीन गायन** – आधुनिक संगीत शैलियों में शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति एवं फ्यूज़न में उसकी भूमिका की खोज।

• **फिल्म तथा लोकप्रिय संगीत में शास्त्रीय गायन का प्रभाव** – रागों एवं शास्त्रीय तकनीकों का प्रयोग फिल्मी संगीत में कैसे हुआ है, इसका अध्ययन।